कृषि विश्वविद्यालय कोटा
AGRICULTURE UNIVERSITY KOTA
2013
कृषि मित्कृषस्व

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

कृषि पंचांग–2025

कृषि विश्वविद्यालय कोटा का है प्रयास।
कृषि उन्नति से ही देश का विकास।।

–डॉ. अभय कुमार व्यास

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

विश्वविद्यालय- एक दृष्टि

फोन नं. : 0744-2321203, ई-मेल : registrar@aukota.org, वेब साइट : www.aukota.com

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की स्थापना राज्य के दक्षिणी पूर्वी क्षेत्र के विकास एवं कृषि समृद्धि के उद्देश्य से 14 सितम्बर 2013 को हुई। जिसके कार्यक्षेत्र में छ: जिले-कोटा, बाराँ, झालावाड़, बून्दी, सवाई माधोपुर एवं करौली को शामिल किया गया है जो कि राजस्थान के मौसम आधारित दो कृषि जलवायु क्षेत्रों जोन-V (आर्द्र दक्षिण पूर्वी मैदानी क्षेत्र) एवं जोन.III-ब (बाढ़ प्रभावित पूर्वी मैदानी क्षेत्र) सम्मिलित है।

इस क्षेत्र में औसत वार्षिक वर्षा 732 से 1005 मिलीमीटर तक है। सिंचाई के प्रमुख स्रोतों में नहर एवं ट्यूबवैल शामिल हैं। इस क्षेत्र में चम्बल, कालीसिंध, परवन तथा गम्भीरी मुख्य नदियां बहती हैं।

विश्वविद्यालय का मुख्य उद्धेश्य मानव संसाधन विकास व कृषि में टिकाऊ वृद्धि हेतु सही व प्रभावी तकनीकी का विकास एवं प्रसार करने के साथ-साथ इससे जुड़े हुए पहलुओं खाद्य व पोषण सुरक्षा, आय बढ़ाना तथा पर्यावरण सुरक्षा हैं।

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का कार्यक्षेत्र निम्नलिखित तीन भागों में बंटा हुआ है :

विश्वविद्यालय कार्यक्षेत्र

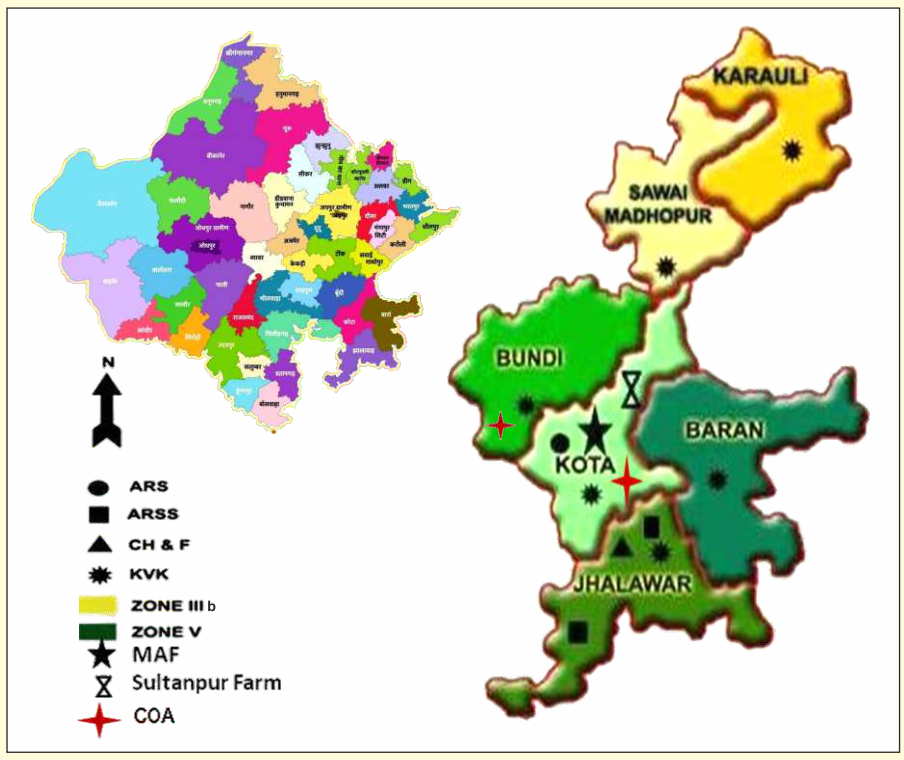

शिक्षण: विश्वविद्यालय में कृषि, उद्यानिकी एवं वानिकी संकाय में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति के पाठ्यक्रम संचालित है जो कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा सुलभ करवाने के कार्य में सतत् प्रयत्नशील है। इस हेतु उम्मेदगंज, कोटा एवं हिण्डौली, बून्दी में एक-एक कृषि महाविद्यालय तथा झालावाड़ में राज्य का एकमात्र उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय स्थापित है।

अनुसंधान : विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय के अन्तर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा, कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, अकलेरा, खानपुर व सुल्तानपुर फार्म तथा यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज कोटा शामिल हैं। अनुसंधान केन्द्र पर 14 अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएँ संचालित हैं। यांत्रिक कृषि फार्म पर प्रतिवर्ष 14000-16000 क्विंटल गुणवत्तायुक्त बीज का उत्पादन होता हैं।

प्रसार शिक्षा : प्रसार शिक्षा निदेशालय का मुख्य उद्देश्य उन्नत कृषि तकनीक का त्वरित हस्तांनान्तरण कर कृषि उत्पादन, उत्पादकता एवं गुणवत्ता में वृद्धि तथा कौशल विकास करना है। इस हेतु प्रशिक्षण, प्रक्षेत्र अनुसंधान परीक्षण, अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, प्रक्षेत्र दिवस एवं कृषि सूचनाऐं कृषक, महिला कृषक एवं ग्रामीण युवाओं को सुलभ करवाई जाती है। निदेशालय के अधीन 6 जिलों में कृषि विज्ञान केन्द्र (कोटा, बून्दी, बाँरा, झालावाड़, करौली व सवाईमाधोपुर) कार्यरत हैं।

विश्वविद्यालय के पदाधिकारीगण

पद	नाम	दूरभाष	मोबाइल
माननीय कुलपति महोदय	डॉ. अभय कुमार व्यास	0744-2321203 0744-2321204	
कुलसचिव	श्रीमती मनीषा तिवारी	0744-2321205	मो. 94601-79611
वित्त नियंत्रक	श्री रामधन रैगर	0744-2321206	मो. 94140-05488
निदेशक शिक्षा	डॉ.आई.बी. मौर्य	07432-241155	मो. 98870-95532
निदेशक प्रसार शिक्षा	डॉ. प्रताप सिंह	0744-2326727	मो. 94143-31136
निदेशक अनुसंधान	डॉ. एस.के. जैन	0744-2321207	मो. 94147-82564
निदेशक छात्र कल्याण	डॉ.एम.सी. जैन		मो. 94145-95682
निदेशक (पी.एम.एण्ड ई.)	डॉ. मुकेश चन्द गोयल	0744-2340048	मो. 94147-58940
निदेशक मानव संसाधन विकास	डॉ. महेन्द्र सिंह	0744-2340049	मो. 94142-13488
अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महा., झालावाड़	डॉ. आशुतोष मिश्र	07432-241155	मो. 70140-73670
अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटा	डॉ. विरेन्द्र सिंह	0744-2960919	मो. 94287-06638
अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, हिण्डौली, बून्दी	डॉ.एन.एल. मीणा	07436-294130	मो. 94145-39008
परीक्षा नियंत्रक	डॉ. एस.सी. शर्मा	0744-2340638	मो. 97232-76299
भू-सम्पदा अधिकारी	इन्जी. हेमन्त शर्मा	0744-2324530	मो. 94141-80016
क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान	डॉ. भवानी शंकर मीणा	0744-2844306	मो. 94144-89121
अतिरिक्त निदेशक, (सीड एण्ड फार्म)	डॉ. एन.आर. कोली		मो. 94135-30031
जन सम्पर्क अधिकारी	डॉ. मुकेश चन्द गोयल	0744-2340048	मो. 94147-58940
प्रभारी अधिकारी विश्वविद्यालय अतिथिगृह	डॉ. राकेश कुमार बैरवा		मो. 94130-93805
नोडल अधिकारी, विश्वविद्यालय वेबसाईट	डॉ. चिराग गौतम		मो. 91104-67271
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	डॉ. महेन्द्र सिंह	0744-2326726	मो. 94142-13488
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी	डॉ. हरीश वर्मा	0747-2457162	मो. 94142-87415
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बारा)	डॉ. डी.के. सिंह	07457-244862	मो. 94146-62038
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़	डॉ. तारा चन्द वर्मा	07432-230205	मो. 94143-85905
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाईमाधोपुर	डॉ. बी.एल. ढ़ाका	07462-213207	मो. 94140-62768
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)	-डॉ. बच्चू सिंह	07469-209969	मो. 94149-74292
प्रभारी अधिकारी, यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज	-डॉ. अर्जुन कुमार वर्मा	0744-2209388	मो. 94143-16578
प्रभारी अधिकारी, ए.आर.एस.एस., अकलेरा	श्री प्रदीप कुमार		मो. 81687-18074
प्रभारी अधिकारी, ए.आर.एस.एस., खानपुर	डॉ. शंकर लाल यादव		मो. 90010-24043
प्रभारी अधिकारी, सुल्तानपुर फार्म	डॉ. हरफूल मीणा		मो. 94602-46043

प्रकाशन

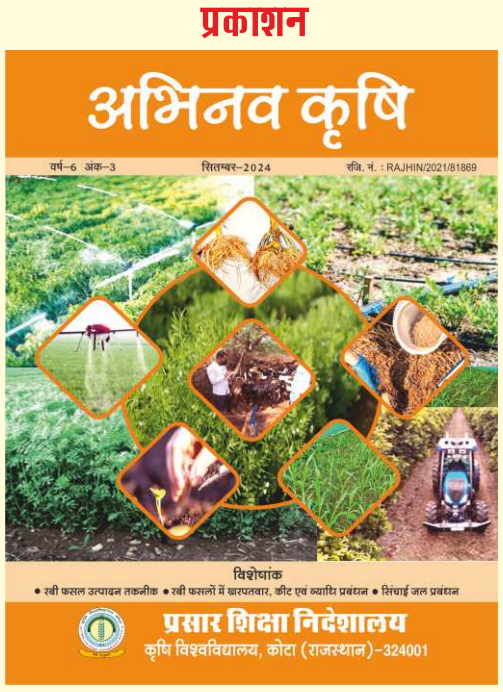

महत्वपूर्ण दिवस

दिनांक	दिवस
26 जनवरी	गणतंत्र दिवस
8 मार्च	अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस
21 मार्च	विश्व वानिकी दिवस
22 मार्च	विश्व जल संरक्षण दिवस
22 अप्रेल	विश्व पृथ्वी दिवस
22 मई	अर्न्तराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस
5 जून	विश्व पर्यावरण दिवस
21 जून	अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस
11 जुलाई	विश्व जनसंख्या दिवस
16 जुलाई	भा.कृ.अनु.परिषद स्थापना दिवस
15 अगस्त	स्वतन्त्रता दिवस
16 से 22 अगस्त	गाजर घास जागरुकता सप्ताह
5 सितम्बर	शिक्षक दिवस
8 सितम्बर	अर्न्तराष्ट्रीय साक्षरता दिवस
2-31 अक्टूबर	स्वच्छ भारत मिशन
4 अक्टूबर	विश्व पशु कल्याण दिवस
15 अक्टूबर	महिला किसान दिवस
16 अक्टूबर	विश्व खाद्य दिवस
3 दिसम्बर	राष्ट्रीय कृषि शिक्षा दिवस
4 दिसम्बर	अर्न्तराष्ट्रीय कृषक महिला दिवस
5 दिसम्बर	विश्व मृदा दिवस
23 दिसम्बर	किसान दिवस

खेती की नवीनतम जानकारी हेतु

बात करें-
किसान कॉल सेंटर 18001801551 (टोल फ्री)
प्रात: 6 से रात्रि 10 बजे तक

देखें-
जयपुर दूरदर्शन पर
खेती बाडी -गुरूवार सांय 7.30 बजे
कृषि दर्शन-सोमवार से शुक्रवार सांय 5.30 बजे
डी.डी. किसान चैनल-24X7

सुने-खेती री बातां, आकाशवाणी कार्यक्रम
सांय 7.45 से 8.15 तक

मिलें- जिले के नजदीकी कृषि विज्ञान केन्द्र या कृषि कार्यालय में

लॉग ऑन करें-
www.aukota.org
www.agriculture.rajasthan.gov.in
www.farmer.gov.in

संरक्षक

डॉ. अभय कुमार व्यास
कुलपति

मार्गदर्शक
डॉ. प्रताप सिंह
निदेशक प्रसार शिक्षा

सम्पादक मण्डल
डॉ. कमल चन्द मीना
डॉ. राकेश कुमार बैरवा
डॉ. योगेन्द्र कुमार मीणा
डॉ. रूप सिंह
सुश्री सरिता

सहयोग
श्री दीपांकर आजाद

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की मुख्य उपलब्धियाँ 2023–24

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा लक्षित तरीके से हितधारक-केन्द्रित दृष्टिकोण के साथ कृषि शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार शिक्षा और प्रशिक्षण में गुणवत्ता, उत्कृष्टता और प्रासंगिकता प्राप्त करने पर ध्यान केन्द्रित कर सभी क्षेत्रों में अच्छी संख्या में नई पहल के साथ उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इससे राज्य के सभी हितधारकों की जरूरतों और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय की वृद्धि और विकास में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। शिक्षण, अनुसंधान एवं प्रसार शिक्षा के क्षेत्र में उन्नयन हेतु नई पहल एवं प्रमुख उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है: -

शैक्षणिक

- विश्वविद्यालय का छठा एवं सातवां दीक्षांत समारोहों का सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। राजस्थान के तत्कालीन माननीय राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र जी ने दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की और 33 स्वर्ण पदक सहित 837 यूजी, पीजी और पीएचडी छात्रों को उपाधि प्रदान कीं।
- कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 आधारित भा.कृ.अनु.प.-नई दिल्ली की 6वीं डीन्स् कमेटी रिपोर्ट को राज्य में सर्वप्रथम लागू किया।
- कृषि महाविद्यालय, कोटा के कृषि में स्नातक (ऑनर्स) और शस्य विज्ञान, कृषि प्रसार शिक्षा व आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन में स्नातकोत्तर तथा शस्य विज्ञान व आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन में विद्यावाचस्पति कार्यक्रमों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड द्वारा अप्रैल, 2024 से मार्च, 2029 तक 5 वर्षों के लिए मान्यता दी गई है।
- शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों में पाठ्यक्रम के 20 प्रतिशत तक मिश्रित शिक्षा प्रणाली को लागु किया गया।

- छात्रों के मार्गदर्शन के लिए सभी संघठक महाविद्यालयों में नियमित रूप से 'कुलपति-विद्यार्थी संवाद' कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसके तहत 20 सत्रों में 980 छात्रों को माननीय कुलपति डॉ. ए. के. व्यास ने उनके जीवन लक्ष्यों के लिए प्रेरित किया और सुझाव दिया कि कैसे लक्ष्यों और उद्देश्यों को कुशल तरीके से प्राप्त किया जाए और साथ ही प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सफलता कैसे प्राप्त की जाये। इस पहल से राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों की सफलता दर में तेजी आई है।

- डॉ. अभय कुमार व्यास, माननीय कुलपति, कृषि विष्वविद्यालय, कोटा को गोवा में आयोजित XXII द्विवार्षिक राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान गोवा के माननीय राज्यपाल द्वारा इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी 'लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड-2021' से सम्मानित किया गया। तथा डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा को इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी 'आईएसए फेलो अवार्ड-2022' से सम्मानित किया गया। डॉ. अंजू बिजारनिया को सर्वश्रेष्ठ पीएचडी थीसिस पुरस्कार मिला, जबकि सुश्री उदिति धाकड़ और सुश्री मोनिका चौधरी को सर्वश्रेष्ठ एमएससी थीसिस पुरस्कार मिला।
- विश्वविद्यालय के छात्रों को आईसीएआर-एसआरएफ (01), आईसीएआर-जेआरएफ (12), आईसीएआर-नेट (35), नेशनल रिसर्च फैलो (02) और विभिन्न फैलोशिप (632) प्राप्त हुए। वर्ष 2022 की तुलना में 2024 में उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ एवं कृषि महाविद्यालय, कोटा के 333 और 38 प्रतिशत अधिक छात्रों ने क्रमशः राष्ट्रीय स्तर की आईसीएआर-नेट परीक्षा उत्तीर्ण की।
- विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों से सरकारी (46) और निजी (83) क्षेत्र में सहायक प्रोफेसर, विषय विषेशज्ञ, तकनीकी सहायक, कृषि पर्यवेक्षक आदि के रूप में 129 छात्रों का चयन किया गया।

अनुसंधान

- विश्वविद्यालय द्वारा विकसित दस नई किस्मों (कोटा देसी चना-2, कोटा देसी चना-3, कोटा देसी चना-4, कोटा देसी चना-5, कोटा देसी चना-6, कोटा काबुली चना-4, कोटा उर्द-6, कोटा बारानी अलसी-7, कोटा मसूर-5 और कोटा मसूर-6) की पहचान/सीवीआरसी द्वारा अधिसूचित की गई है।
- विश्वविद्यालय द्वारा अनुशंसित छियत्तर (76) फसल सुधार, उत्पादन और संरक्षण प्रौद्योगिकियों को कृषि-जलवायु क्षेत्र-V और IIIB के लिए पैकेज ऑफ प्रेक्टिस (PoP) में शामिल किया गया है।
- विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मसूर की कोटा मसूर-6 किस्म को भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा 11 अगस्त, 2024 को IARI, नई दिल्ली में देश के लिए जारी की गई 109 नई किस्मों में शामिल किया गया है।

कोटा बारानी अलसी-7

कोटा देशी चना-6

कोटा मसूर-6

प्रसार शिक्षा

- राजस्थान के राजभवन से लगातार तीन वर्षों यानी 2022 -2024 तक विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व (यूएसआर) कार्यक्रम के तहत गोद लिए गए गांवों कनवास और आंवा के विकास के लिए विश्वविद्यालय के काम की सराहना करते हुए प्रशंसा पत्र प्रदान किये है। इन गोदित गांवों में ड्रिप इरीगेशन सिस्टम, उन्नत किस्म के पशुओं का वितरण, फसल व बगीचा प्रबंधन, खाद्य प्रसंस्करण, सिलाई प्रशिक्षण पर प्रशिक्षण दिये गये जिससे ग्रामीणों की आर्थिक उन्नति के नये आयाम खुले हैं।

- कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा पर 3.00 करोड़ रुपये लागत से धनिया, लहसुन प्रसंस्करण और बेकरी उत्पादों के लिए कॉमन इनक्यूबेशन सेंटर (सीआईसी) की स्थापना की गई। इस यूनिट पर लघु व दीर्घ अवधि के प्रशिक्षण आयोजित कर युवा ग्रामीणों व किसानों को स्वरोजगार हेतु प्रेरित एवं लाभान्वित किया जा रहा है।
- विश्वविद्यालय की वर्तमान गतिविधियों, उपलब्धियों, मौसम की जानकारी, किसानों और अन्य हितधारकों से संबंधित सलाह और नवाचारों को साझा करने के लिए विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर एक आउटडोर एलईडी डिस्प्ले यूनिट स्थापित की गई है, जिससे हर दिन सैकड़ों लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

- विश्वविद्यालय द्वारा खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में 200 से अधिक उद्यमी अभी तक तैयार किये गये हैं तथा 600 युवा, कृषकों व कृषक महिलाओं को सोयाबीन लहसुन व मोटा अनाज प्रसंस्करण में प्रशिक्षित किया गया है। ये युवा उद्यमी लगभग 10 हजार से 1.5 लाख प्रति माह आय अर्जित करके स्वयं की तथा कोटा क्षेत्र की आर्थिक उन्नति में अपना योगदान दे रहे हैं।
- कृषि विज्ञान और करियर में रुचि पैदा करने के लिए अनुभवी वैज्ञानिकों के साथ बातचीत करने के लिए स्कूली छात्रों, शिक्षकों और कृषक समुदायों को आमंत्रित करने की एक नई पहल की गई है। जिसमें गत दो वर्षों में 10,000 से अधिक छात्रों, शिक्षकों और किसानों को विश्वविद्यालय की विभिन्न अनुसंधान व प्रसार इकाइयों सहित कृषि शिक्षा संग्रहालय का भ्रमण करवाया गया ।

- 16,000 से अधिक किसानों और हितधारकों के लिए करीब 400 क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- 12 से 38 प्रतिशत अधिक उपज और रिटर्न के साथ 2000 हेक्टेयर क्षेत्रफल में किसानों के खेतों पर नवीनतम तकनीकों के प्रदर्शन के लिए 5000 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों का आयोजन किया गया।
- विश्वविद्यालय ने तकनीकी सहायता के माध्यम से 25 कृषक उत्पादक संगठनों को सुगमता प्रदान की।
- कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा प्रशिक्षित और नवोन्मेशी तथा प्रगतिशील किसान श्री किशन सुमन को भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा ''प्लांट जीनोम सेवियर फार्मर्स रिकॉग्निशन -2023'' अवार्ड एवं श्री अवधेश मीना को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा प्रतिष्ठित पुरस्कार 'इनोवेटिव फार्मर अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

मानव संसाधन विकास

- कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने अपनी प्रशिक्षण नीति तैयार कर लागू की, जोकि राज्य के सभी राज्य स्तरीय कृषि विश्वविद्यालय में पहली नीति है। जिसके तहत 48 अशैक्षणिक कर्मचारियों के लिए तीन सप्ताह का 'कॉमन इंडक्शन कम ओरिएंटेशन 'प्रशिक्षण, 25 तकनीकी कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह का 'फार्म और प्रयोगशाला प्रबंधन 'प्रशिक्षण, 20 नवनियुक्त कर्मचारियों सहित 44 अशैक्षणिक कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह का 'उन्नत प्रशासनिक और वित्तीय प्रबंधन' प्रशिक्षण, 12 नवनियुक्त तकनीकी कर्मचारियों सहित 45 तकनीकी कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह का 'फार्म और प्रयोगशाला प्रबंधन' प्रशिक्षण एवं समस्त 32 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह का 'सहायक कर्मचारियों की क्षमता वृद्धि' पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये।

- समस्त 17 वाहन चालकों को एक सप्ताह का 'वाहन रखरखाव, सड़क सुरक्षा एवं व्यवहार कौशल 'पर प्रशिक्षण करवाया।
- लेखा एवं स्थापना से संबंधित 'प्रशासनिक एवं वित्तीय कर्मचारियों के लिए कार्यालय प्रबंधन 'पर प्रसिद्ध विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही कृषि वैज्ञानिकों के लिए ब्रॉड बेड फरो, बायोमास प्रबंधन और इसका उपयोग-अपशिष्ट से संपदा पर संवाद-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्रशासन/प्रबंधन

- विश्वविद्यालय में विभिन्न अशैक्षणिक पदों पर तकनीकी सहायक, प्रयोगशाला सहायक, प्रयोगशाला तकनीशियन, आशुलिपिक आशुलिपिक-III, क्लर्क ग्रेड-II, केयर टेकर, पुस्तकालय सहायक, कृषि पर्यवेक्षक, चालक एवं चालक-T1 के रूप में 43 कर्मियों की भर्ती की गई।
- विश्वविद्यालय ने शिक्षा, अनुसंधान, विस्तार और प्रशिक्षण गतिविधियों में गुणवत्ता और आपसी सहयोग को बढ़ाने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय (सार्वजनिक/निजी) संस्थानों के साथ 16 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।

- सभी श्रेणियों के हितधारकों के लाभ के लिए AUK की द्विभाषी वेबसाइट डिजाइन कर विकसित की तथा वैज्ञानिक समुदाय के साथ-साथ सभी श्रेणियों के हितधारकों के लाभ के लिए AUK का द्विभाषी समाचार पत्र नियमित रूप से प्रकाशित किया गया।
- माननीय सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग और महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली ने 07 जनवरी, 2024 को पहली बार कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की विभिन्न इकाइयों का दौरा किया।

आधारभूत संरचना विकास

- कृषि महाविद्यालय, हिंडोली (बूंदी) में प्रशासनिक ब्लॉक, छात्रावास, सड़क और डीन आवास, (1640.00 लाख रुपये की लागत) और कृषि महाविद्यालय, कोटा में प्रशासनिक ब्लॉक भवन और सड़क (1275.00 लाख रुपये की लागत) का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण होने वाला है।
- कृषि विश्वविद्यालय, कोटा मुख्य परिसर में, दो हॉल और बारां रोड पर खुलने वाले आठ बिक्री काउंटर निर्माणाधीन हैं और यूआईटी, कोटा की तकनीकी और वित्तीय सहायता से 94.00 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड का निर्माण किया गया है।
- यूआईटी, कोटा के तकनीकी और वित्तीय सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में 150.00 लाख रुपये की लागत से लगभग 600 मीटर पक्का नाला बनाया गया है। यांत्रिक कृषि फॉर्म, कोटा में सीएडी, कोटा के तकनीकी और वित्तीय सहयोग से 145.00 लाख रुपये की लागत से 3.2 किमी लम्बी डिस्ट्रीब्यूटरी का निर्माण किया गया।
- स्टूडेंट रेडी कार्यक्रम के तहत बीएससी (ऑनर्स) एजी के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए प्रायोगिक शिक्षण इकाई के रूप में कृषि महाविद्यालय, कोटा में जैविक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई की स्थापना की गई।
- विद्यार्थियों के लिए इंटरैक्टिव शिक्षण के लिए एक सेमिनार हॉल विकसित किया गया तथा 03 कक्षाओं को स्मार्ट क्लास रूम में परिवर्तित किया गया।
- हरित पहल के रूप में 207 किलोवाट के सौर पैनल लगाए गए तथा हरित ऊर्जा उत्पदन में 288 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे विश्वविद्यालय परिसर का बिजली बिल 40-45 प्रतिशत कम हुआ।

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

6. गुरू गोबिन्द सिंह जयन्ती
26. गणतंत्र दिवस

जनवरी, 2025 कृषि पंचांग

रविवार Sunday	1 नव वर्ष प्रारम्भ	5 पौष शुक्ला षष्ठी	12 पौष शुक्ला चतुर्दशी	19 माघ कृष्ण पंचमी	26 माघ कृष्ण द्वादशी
सोमवार Monday	6. गुरू गोबिन्द सिंह जयंती	6 पौष शुक्ला सप्तमी	13 पौष शुक्ला पूर्णिमा	20 माघ कृष्ण षष्ठी	27 माघ कृष्ण त्रयोदशी
मंगलवार Tuesday	26 गणतंत्र दिवस	7 पौष शुक्ला अष्टमी	14 माघ कृष्ण प्रतिपदा	21 माघ कृष्ण सप्तमी	28 माघ कृष्ण चतुर्दशी
बुधवार Wednesday	1 द्वितीया	8 पौष शुक्ला नवमी	15 माघ कृष्ण द्वितीया	22 माघ कृष्ण अष्टमी	29 माघ कृष्ण अमावस्या
गुरूवार Thursday	2 पौष शुक्ला तृतीया	9 पौष शुक्ला दशमी	16 माघ कृष्ण तृतीया	23 माघ कृष्ण नवमी	30 माघ शुक्ल प्रतिपदा
शुक्रवार Friday	3 पौष शुक्ला चतुर्थी	10 पौष शुक्ला एकादशी	17 माघ कृष्ण चतुर्थी	24 माघ कृष्ण दशमी	31 माघ शुक्ल द्वितीया
शनिवार Saturday	4 पौष शुक्ला पंचमी	11 पौष शुक्ला द्वादशी	18 माघ कृष्ण पंचमी	25 माघ कृष्ण एकादशी	14. मकर संक्रान्ति

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. फसलों को पाले से बचाव हेतु सिंचाई करें व गन्धक के तेजाब (सान्द्रता 90 प्रतिशत) की एक लीटर मात्रा को 1000 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
2. गेहूँ की खड़ी फसल में जस्ते की कमी होने पर जिंक सल्फेट 5 कि.ग्रा. +बुझा हुआ चुना 2.5 कि.ग्रा. को 1000 लीटर प्रति हैक्टर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
3. चने में फली छेदक कीट के प्रबन्धन हेतु एसीफेट 75 एस.पी. का 500 ग्राम या प्रोफेनोफॉस 50 ईसी 1.5 लीटर प्रति हैक्टर 500 लीटर पानी में घोल बानाकर छिड़काव करें तथा सर्वेक्षण हेतु 7-8 एवं प्रबन्धन के लिए 20-25 फेरोमेन ट्रेप प्रति हैक्टर की दर से लगायें।
4. चना फसल में फूल शुरू होने व फली बनने की अवस्था में 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट + 0.1 प्रतिशत फेरस सल्फेट का पर्णीय छिड़काव करें।
5. मटर की खड़ी फसल में एन.पी.के. 19:19:19 का 0.5 प्रतिशत पर्णीय छिड़काव फूल आने से पूर्व तथा फली बनते समय करें।
6. सरसों में फूल बनने के पश्चात् चैंपा नियंत्रण हेतु डाईमिथोएट 30 ई.सी. 875 मिलीलीटर या एसीफेट 75 एसपी 700 ग्राम प्रति हैक्टर का छिड़काव करें।
7. आलू में रस चूसक कीट नियंत्रण हेतु सिट्रानिलिप्रोल 10 प्रतिशत ओ.डी. का 600 मिली. प्रति हैक्टर 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें एवं आवश्यकता पड़ने पर 15 दिन बाद पुनः दोहरावें।
8. टमाटर फसल में फल छेदक नियंत्रण हेतु कीट प्रकोप प्रारम्भ होते ही एन. पी. वी. 250 एल. ई. प्रति हैक्टर या ब्यूवेरिया बेसियाना 5 मि.ली. प्रति लीटर के तीन पर्णीय छिड़काव 15 दिन के अन्तराल पर करें।
9. लो-टनल में कद्दूवर्गीय सब्जियों लौकी, टिण्डा, करेला, खीरा एवं तोरई की बुवाई करें।
10. पोली हाउस में सब्जियों की पौध तैयार करें।
11. मिर्च, टमाटर एवं बैंगन की फसलों का पाले से बचाव करें।
12. संतरे में अम्बे बहार के फल लेने के लिए बगीचे में सिंचाई रोक देवें तथा हल्की जुताई अथवा गुड़ाई करें।
13. पशु-पालकों को चाहिए कि अगर मुँहपका-खुरपका रोग, पी.पी.आर., गलघोंटू, फड़किया, लंगड़ा बुखार आदि रोगों से बचाव के टीके नहीं लगवाए हों तो अभी लगवा लें। विशेष रूप से फड़किया, पी.पी.आर. का टीका लगवाएं। पशुओं व उनके बछड़ों को सर्दी से बचाव के प्रबन्ध करें।

श्री हरिभाऊ किसनराव बागड़े
माननीय राज्यपाल, राजस्थान
एवं कुलाधिपति, कृ.वि.वि., कोटा

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा
माननीय कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री, राजस्थान

डॉ. अभय कुमार व्यास
माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

माननीय कुलपति : डॉ. अभय कुमार व्यास
फोन नं. : 0744-2321203
ई-मेल : vc@aukota.org. वेब साईट : www.aukota.org

कुलसचिव : श्रीमती मनीषा तिवारी (आर.ए.एस.)
मोबाइल नं. : 9460179611, फोन/फैक्स : 0744- 2321205
ई-मेल : registrar@aukota.org

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@aukota.org

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

कृषि पंचांग

फरवरी, 2025

सार्वजनिक अवकाश

4. देवनारायण जयन्ती
26. महाशिवरात्री

रविवार Sunday		2 माघ शुक्ल चतुर्थी	9 माघ शुक्ल द्वादशी	16 फाल्गुन कृष्णा चतुर्थी	23 फाल्गुन कृष्णा दशमी
सोमवार Monday	4. देव नारायण जयन्ती	3 माघ शुक्ल षष्ठी	10 माघ शुक्ल त्रयोदशी	17 फाल्गुन कृष्णा पंचमी	24 फाल्गुन कृष्णा एकादशी
मंगलवार Tuesday	26. महाशिवरात्रि	4 माघ शुक्ल सप्तमी	11 माघ शुक्ल चतुर्दशी	18 फाल्गुन कृष्णा षष्ठी	25 फाल्गुन कृष्णा द्वादशी
बुधवार Wednesday		5 माघ शुक्ल अष्टमी	12 माघ शुक्ल पूर्णिमा	19 फाल्गुन कृष्णा षष्ठी	26 फाल्गुन कृष्णा त्रयोदशी
गुरूवार Thursday		6 माघ शुक्ल नवमी	13 फाल्गुन कृष्णा प्रतिपदा	20 फाल्गुन कृष्णा सप्तमी	27 फाल्गुन कृष्णा चतुर्दशी
शुक्रवार Friday		7 माघ शुक्ल दशमी	14 फाल्गुन कृष्णा द्वितीया	21 फाल्गुन कृष्णा अष्टमी	28 फाल्गुन शुक्ला प्रतिपदा
शनिवार Saturday	1 माघ शुक्ल तृतीया	8 माघ शुक्ल एकादशी	15 फाल्गुन कृष्णा तृतीया	22 फाल्गुन कृष्णा नवमी	

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. बसंतकालीन गन्ने की बुवाई हेतु उन्नत किस्में, सी.ओ. 1007, सी.ओ.जे. 64, सी.ओ.पी.बी. 09181, प्रताप गन्ना 1, सी.ओ. 0238 एवं सिफारिशानुसार उर्वरक (10 टन गोबर की खाद, 200 किग्रा. नत्रजन, 60 किग्रा. फॉस्फोरस, 40 किग्रा. पोटाश, 40 किग्रा. गन्धक, 5 किग्रा. जिंक) एवं भूमि उपचार हेतु 12.5 किग्रा एजेटोबेक्टर व 12.5 किग्रा पी.एस.बी. कल्चर का प्रति हैक्टर प्रयोग कर बुवाई करें।
2. गेंहूँ व जौ की खड़ी फसल में दीमक नियंत्रण हेतु क्लोरोपायरीफॉस 20 ई. सी. 4 लीटर या प्रीप्रोनील 0.3 प्रतिशत कण 20-25 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर सिंचाई के साथ देवें।
3. सरसों में छाछ्या रोग नियंत्रण हेतु 20 कि.ग्रा. गंधक चूर्ण भुरके या 2.5 कि.ग्रा. गन्धक का 0.3 प्रतिशत घोल बनाकर छिड़काव करें।
4. चने में फली छेदक कीट प्रबन्धन हेतु परभक्षी चिड़ियाओं को खेत में बैठने हेतु एक हैक्टर में 40-50 ''टी'' आकार की बांस की खपच्ची फसल से एक फीट ज्यादा ऊँचाई की लगावें।
5. जायद भिंडी एवं कद्दूवर्गीय सब्जियों की बुवाई करें।
6. जुलाई में लगाये गये बगीचे में जो पौधे खराब हो गये हैं उनके रिक्त स्थान पर नये पौधों का रोपण करें।
7. सिंचाई की सुविधा वाले स्थानों पर संतरा, अमरूद एवं नींबू के नये बगीचे लगावें।
8. गेलार्डिया के बीजों (बल्ब) की क्यारियों में बुवाई करें।
9. संतरा फल तुड़ाई उपरान्त सूखी टहनियाँ निकाले तथा कॉपर आक्सीक्लोराइड + डाईमेथोऐट अथवा ईमिडाक्लोप्रिड का छिड़काव करें।
10. नवजात छः माह की उम्र तक बछड़े-बछड़ियों को अन्तः परजीवी नाशक दवा पीपराजीन ऐडीपेट नियमित रूप से दें।
11. दुधारू पशुओं को थनैला रोग से बचाने के लिए, उनका दूध पूरा व मुट्ठी बांध कर निकालें।
12. पशु आवास को सूखा रखें, चूने का भुरकाव करें व प्रतिदिन बिछावन बदलें।

विश्वविद्यालय का 12वां स्थापना दिवस एवं हिन्दी दिवस का आयोजन

प्रसार शिक्षा परिषद की पंचम बैठक

विश्वविद्यालय पर स्थित कृषि शिक्षा संग्राहलय में स्कूली छात्रों का भ्रमण

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा

निदेशक : डॉ. प्रताप सिंह

मोबाइल नं. : 9414331136, कार्यालय फोन नं. : 0744-2326727
ई-मेल : deeaukota@aukota.org

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र

निदेशक, पी.एम.ई. एवं प्रभारी अधिकारी : डॉ. मुकेश चन्द गोयल

मोबाइल नं. : 9414758940, कार्यालय फोन नं. : 0744-2340048
ई-मेल : dpme@aukota.org

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

13. होलिका दहन, 14. धूलण्डी,
30. चेटीचण्ड, 31. ईदुलफितर (चाँद से)

मार्च, 2025

कृषि पंचांग

रविवार Sunday	30 चैत्र शुक्ल प्रतिपदा	2 फाल्गुन शुक्ला तृतीया	9 फाल्गुन शुक्ला दशमी	16 चैत्र कृष्ण द्वितीया	23 चैत्र कृष्ण नवमी
सोमवार Monday	31 चैत्र शुक्ल द्वितीया	3 फाल्गुन शुक्ला चतुर्थी	10 फाल्गुन शुक्ला एकादशी	17 चैत्र कृष्ण तृतीया	24 चैत्र कृष्ण दशमी
मंगलवार Tuesday	13 होली दहन	4 फाल्गुन शुक्ला पंचमी	11 फाल्गुन शुक्ला द्वादशी	18 चैत्र कृष्ण चतुर्थी	25 चैत्र कृष्ण एकादशी
बुधवार Wednesday	14 धुलण्डी	5 फाल्गुन शुक्ला षष्ठी	12 फाल्गुन शुक्ला त्रयोदशी	19 चैत्र कृष्ण पंचमी	26 चैत्र कृष्ण द्वादशी
गुरूवार Thursday	30 चेटीचण्ड	6 फाल्गुन शुक्ला सप्तमी	13 फाल्गुन शुक्ला चतुर्दशी	20 चैत्र कृष्ण षष्ठी	27 चैत्र कृष्ण त्रयोदशी
शुक्रवार Friday	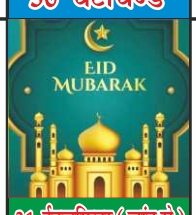 31 ईदुलफितर (चांद से)	7 फाल्गुन शुक्ला अष्टमी	14 फाल्गुन शुक्ला पूर्णिमा	21 चैत्र कृष्ण सप्तमी	28 चैत्र कृष्ण चतुर्दशी
शनिवार Saturday	1 फाल्गुन शुक्ला दितीया	8 फाल्गुन शुक्ला नवमी	15 चैत्र कृष्ण प्रतिपदा	22 चैत्र कृष्ण अष्टमी	29 चैत्र कृष्ण अमावस्या

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. जायद मूंग की उन्नत किस्में: आई.पी.एम. 02-03, पी.डी.एम. 139 एवं एस.एम.एल. 668 की बुवाई करें।
2. ग्रीष्मकालीन हरे चारे के लिए ज्वार, बाजरा, लोबिया की बुवाई करें एवं मीठी सूडान, संकर हाथी घास की रोपाई करें।
3. गेहूँ व जौ की खड़ी फसल में चूहा नियंत्रण हेतु एल्युमिनियम फॉस्फाइड की 10 ग्राम पाउच प्रति बिल में रखकर बन्द कर देवें।
4. संतरे में फल तोड़ने के बाद सूखी टहनियों को निकाले तथा साथ ही कॉपर आक्सीक्लोराइड 3 ग्राम/लीटर पानी का घोल बनाकर छिड़काव करें।
5. अमरूद के फलदार पौधों में मृग बहार लेने हेतु सिंचाई बन्द कर देवें।
6. ग्रीष्म कालीन टमाटर की पौध का रोपण खेत में करें।
7. खेत खाली होने पर जायद सब्जियों की बुवाई करें।
8. बरसीम, रिजका तथा जई का ''हे'' बनायें।
9. यदि मच्छर, मक्खी, चींचड़ आदि जीवों की संख्या में वृद्धि हो रही हो, तो इनसे फैलने वाले रोगों से बचाव करना आवश्यक है।
10. ब्याने वाले पशुओं को प्रसूति बुखार से बचाने के लिए खनिज मिश्रण 50-60 ग्राम प्रतिदिन दें तथा पशुओं के बाटें में खल, चूरी, चापड़, दलिया एवं नमक मिलाकर देवें।

विश्वविद्यालय द्वारा विकसित चना किस्म कोटा देशी चना-6

अनुसंधान परिषद की पंचम बैठक

विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर
नवीन जानकारी हेतु आउटडोर एल.ई.डी डिस्प्ले

अनुसंधान निदेशालय, कोटा

निदेशक : डॉ. एस. के. जैन

मोबाईल नं. 94147-82564 कार्यालय फोन नं. : 0744-2321207

ई-मेल : draukota@aukota.org

क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान: डॉ. भवानी शंकर मीना

मोबाईल नं. 94144-89121 कार्यालय फोन नं. : 0744-2844306

ई-मेल : arskota@aukota.org

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@aukota.org

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

6. श्री रामनवमी, 10. श्री महावीर जयन्ती
11. महात्मा ज्योतिबा फूले जयन्ती, 14. डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती
18. गुड फ्राइडे, 29. परशुराम जयन्ती

अप्रैल, 2025 कृषि पंचांग

रविवार Sunday	6. श्री रामनवमी	6 चैत्र शुक्ल नवमी	13 वैशाख कृष्ण प्रतिपदा	20 वैशाख कृष्ण सप्तमी	27 वैशाख कृष्ण अमा.
सोमवार Monday	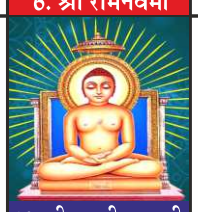 10. श्री महावीर जयन्ती	7 चैत्र शुक्ल दशमी	14 वैशाख कृष्ण प्रतिपदा	21 वैशाख कृष्ण अष्टमी	28 वैशाख शुक्ल प्रतिपदा
मंगलवार Tuesday	1 चैत्र शुक्ला चतुर्थी	8 चैत्र शुक्ल एकादशी	15 वैशाख कृष्ण द्वितीया	22 वैशाख कृष्ण नवमी	29 वैशाख शुक्ल द्वितीया
बुधवार Wednesday	2 चैत्र शुक्ला पंचमी	9 चैत्र शुक्ल द्वादशी	16 वैशाख कृष्ण तृतीया	23 वैशाख कृष्ण दशमी	30 वैशाख शुक्ल तृतीया
गुरूवार Thursday	3 चैत्र शुक्ला षष्ठी	10 चैत्र शुक्ल त्रयोदशी	17 वैशाख कृष्ण चतुर्थी	24 वैशाख कृष्ण एकादशी	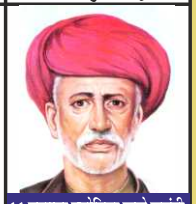 11 महात्मा ज्योतिबा फूले जयंती
शुक्रवार Friday	4 चैत्र शुक्ला सप्तमी	11 चैत्र शुक्ल चतुर्दशी	18 वैशाख कृष्ण पंचमी	25 वैशाख कृष्ण द्वादशी	14 डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती
शनिवार Saturday	5 चैत्र शुक्ल अष्टमी	12 चैत्र शुक्ल पूर्णिमा	19 वैशाख कृष्ण षष्ठी	26 वैशाख कृष्ण त्रयोदशी	29 परशुराम जयन्ती

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. खाली खेतों में एम.बी. प्लाऊ से ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें।
2. खेत की मिट्टी का परीक्षण करवाकर मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनवायें एवं सिफारिशानुसार फसलों में पोषक तत्वों का प्रयोग करें।
3. गन्ने में अंकुरण तक समय-समय पर हल्की सिंचाई दें जिससे अंकुरण शीघ्र तथा अच्छा होगा। गर्मी की फसल मूँग व उड़द में 10-15 दिन के अन्तराल पर हल्की सिंचाई करें।
4. कद्दूवर्गीय सब्जियों में फल मक्खी के रोकथाम हेतु फल मक्खी ट्रेप 20-25 प्रति हैक्टर लगावें या फूल आने से पहले डाईमिथोएट एक मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
5. मिर्च की फसल में थ्रिप्स की रोकथाम हेतु इमिडाक्लोप्रिड 48 प्रतिशत एफ.एस. 10 मिली/किग्रा बीजोपचार व इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 2 मिली/लीटर पानी से पौध उपचार एवं डाइफेनथ्यूरोन 50 प्रतिशत डब्ल्यू. पी. का 1 ग्राम/ली. पानी का छिड़काव 15 दिन के अन्तराल पर करें। नीले एवं पीला रंग के चिपचिपे ट्रेप भी लगावें।
6. मिर्च फसल में पत्ती धब्बा रोग के नियंत्रण हेतु सायमोक्सानिल 8 प्रतिशत + मेन्कोजेब 64 प्रतिशत डब्ल्यू.पी. का 1.5 ग्राम प्रति लीटर या कार्बेन्डाजिम 12 प्रतिशत + मेन्कोजेब 63 प्रतिशत डब्ल्यू.पी. का 2.0 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
7. संतरे की मृग बहार फसल लेने के लिए सिंचाई को रोकें।
8. नींबू वर्गीय फलों में फलों को गिरने से बचाने हेतु 2, 4-डी (उद्यानिकी ग्रेड) या जिब्रलिक अम्ल 15 मिली ग्राम प्रति लीटर का पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।
9. संतरे में इस माह काली मक्खी काफी मात्रा में अण्डे देती है, जिनसे निम्फ बन जाते है, जो पत्तियों व टहनियों का रस चूसती है। इसकी रोकथाम हेतु एसिफेट 1.25 ग्राम या डाइमिथोएट 2.0 मि.ली. या क्यूनालफॉस 1.5 मि.ली. या प्रोफेनाफॉस 1.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी में घोलकर 15 दिन के अन्तराल पर दो बार छिड़काव ट्रेक्टर चलित पावर स्प्रेयर की सहायता से करें
10. पपीता की रेड लेडी 786 किस्मों के पौधों का रोपण करें।
11. पशुओं में जल व लवण की कमी, भूख कम होना एवं कम उत्पादन, अधिक तापक्रम के प्रमुख प्रभाव होते हैं। अत: पशुओं को अत्यधिक तापक्रम से बचाने के उपाय करें।
12. पानी पीने की कुण्डी साफ रखें एवं चूने से पुताई करें, पशुओं को दिन में कम से कम चार बार पानी पिलाने का प्रयास करें। भेड़-बकरियों को परजीवी से बचाव के लिए परजीवी नाशक घोल में डुबोकर निकालें।
13. ग्याभिन (छः माह से अधिक) पशुओं को अतिरिक्त आहार दें।
14. फॉस्फोरस की कमी के कारण पशुओं में ''पाइका'' नामक रोग के लक्षण नजर आने लगते हैं। अत: बाँटे में लवण मिश्रण अवश्य मिलायें। पशुओं के लिए भूसे का अग्रिम भण्डारण करें।
15. खेतों में गेंहूँ फसल अवशेष प्रबंधन हेतु वेस्ट डिकम्पोजर या पूसा डिकम्पोजर का घोल तैयार कर छिड़काव करें।

महाविद्यालय में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह

महाविद्यालय में दीक्षारम्भ एवं आमुखीकरण कार्यक्रम

महाविद्यालय में पूर्व छात्र मिलन समारोह

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़

अधिष्ठाता : डॉ. आशुतोष मिश्र

मोबाईल नं. 70140-73670, कार्यालय फोन नं. : 07432-241155

ई-मेल : chf@aukota.org

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@aukota.org

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

12. माननीय कुलपति द्वारा घोषित अवकाश (बुद्ध पूर्णिमा)
29. महाराणा प्रताप जयन्ती

मई, 2025 कृषि पंचांग

रविवार Sunday		4 वैशाख शुक्ल सप्तमी	11 वैशाख शुक्ल चतुर्दशी	18 ज्येष्ठ कृष्णा पंचमी	25 ज्येष्ठ कृष्णा त्रयोदशी
सोमवार Monday	12. बुद्ध पूर्णिमा	5 वैशाख शुक्ल अष्टमी	12 वैशाख शुक्ल पूर्णिमा	19 ज्येष्ठ कृष्णा षष्ठी	26 ज्येष्ठ कृष्णा चतुर्दशी
मंगलवार Tuesday	29. महाराणा प्रताप जयन्ती	6 वैशाख शुक्ल नवमी	13 ज्येष्ठ कृष्णा प्रतिपदा	20 ज्येष्ठ कृष्णा सप्तमी	27 ज्येष्ठ कृष्णा अमावस्या
बुधवार Wednesday		7 वैशाख शुक्ल दशमी	14 ज्येष्ठ कृष्णा द्वितीया	21 ज्येष्ठ कृष्णा नवमी	28 ज्येष्ठ शुक्ला द्वितीया
गुरूवार Thursday	1 वैशाख शुक्ल चतुर्थी	8 वैशाख शुक्ल एकादशी	15 ज्येष्ठ कृष्णा तृतीया	22 ज्येष्ठ कृष्णा दशमी	29 ज्येष्ठ शुक्ला तृतीया
शुक्रवार Friday	2 वैशाख शुक्ल पंचमी	9 वैशाख शुक्ल द्वादशी	16 ज्येष्ठ कृष्णा चतुर्थी	23 ज्येष्ठ कृष्णा एकादशी	30 ज्येष्ठ शुक्ला चतुर्थी
शनिवार Saturday	3 वैशाख शुक्ल षष्ठी	10 वैशाख शुक्ल त्रयोदशी	17 ज्येष्ठ कृष्णा पंचमी	24 ज्येष्ठ कृष्णा द्वादशी	31 ज्येष्ठ शुक्ला पंचमी

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. लेजर लेण्ड लेवलर द्वारा खेतों के समतलीकरण का कार्य करें।
2. वर्षा जल संग्रहण हेतु खेत तलाई या प्लास्टिक जल कुण्ड का निर्माण करें।
3. धान की नर्सरी लगाने हेतु खेत की तैयारी करें।
4. हजारा (गैंदा) की पौध तैयार करें।
5. नये बगीचों में उपयुक्त सिंचाई का प्रबन्ध करके गर्म हवाओं से बचायें।
6. अमरूद के फलदार बगीचों में सिंचाई प्रारम्भ कर देवें।
7. फलदार पौधों के तनों पर दो फीट की ऊंचाई तक बोर्डोपेस्ट से पुताई करें। बोर्डोपेस्ट तैयार करने के लिए 1 किलो कॉपर सल्फेट 5 लीटर पानी को रात भर भिगायें। इसी तरह एक किलो चूना 5 लीटर पानी में एक प्लास्टिक की बाल्टी में अलग भिगोयें। दूसरे दिन सुबह दोनों बाल्टी की सामग्री को मिलायें तथा इस पेस्ट को 12 घंटों के भीतर फलदार पौधों के तने पर लगायें।
8. फलदार बगीचों अमरूद, अनार, सन्तरा, मौसमी इत्यादि हेतु गढ्ढों की खुदाई करें।
9. पशुओं को धूप व लू से बचाने के उपाय करें एवं पशुओं को संतुलित आहार दें, जिससे उनकी दुग्ध उत्पादन क्षमता बनी रहे। पशु आवास की 4-6 इंच मिट्टी निकालकर दूसरी मिट्टी डालें।
10. पशुओं में लवणों की कमी नहीं हो, इस हेतु लवण-मिश्रण निर्धारित मात्रा में दाने या बाँटे में मिलाकर दें।
11. भेड़ बकरियों को माता रोग का टीका अवश्य लगवायें।

विश्वविद्यालय का सप्तम् दीक्षान्त समारोह

महाविद्यालय में प्लेसमेंट शिविर का आयोजन

महाविद्यालय में अधिष्ठाता द्वारा एन.सी.सी. परेड का शुभारम्भ

कृषि महाविद्यालय, कोटा

अधिष्ठाता : डॉ. विरेन्द्र सिंह

मो0 नं0 94287-06638, कार्यालय फोन : 0744-2960919

ई-मेल : coakota@aukota.org

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

जून, 2025 कृषि पंचांग

सार्वजनिक अवकाश

7. ईदुलजुहा (चांद से)

रविवार Sunday	1 ज्येष्ठ शुक्ला षष्ठी	8 ज्येष्ठ शुक्ल द्वादशी	15 आषाढ़ कृष्णा चतुर्थी	22 आषाढ़ कृष्णा द्वादशी	29 आषाढ़ शुक्ल चतुर्थी
सोमवार Monday	2 ज्येष्ठ शुक्ला सप्तमी	9 ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी	16 आषाढ़ कृष्णा पंचमी	23 आषाढ़ कृष्णा त्रयोदशी	30 आषाढ़ शुक्ल पंचमी
मंगलवार Tuesday	3 ज्येष्ठ शुक्ल अष्टमी	10 ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्दशी	17 आषाढ़ कृष्णा षष्ठी	24 आषाढ़ कृष्णा चतुर्दशी	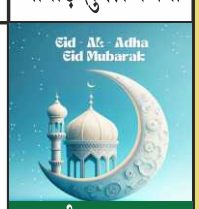 7. ईदुलजुहा
बुधवार Wednesday	4 ज्येष्ठ शुक्ल नवमी	11 ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा	18 आषाढ़ कृष्णा सप्तमी	25 आ. कृष्णा अमावस्या	
गुरूवार Thursday	5 ज्येष्ठ शुक्ल दशमी	12 आषाढ़ कृष्णा प्रतिपदा	19 आषाढ़ कृष्णा अष्टमी	26 आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा	
शुक्रवार Friday	6 ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी	13 आषाढ़ कृष्णा द्वितीया	20 आषाढ़ कृष्णा नवमी	27 आषाढ़ शुक्ल द्वितीया	
शनिवार Saturday	7 ज्येष्ठ शुक्ल द्वादशी	14 आषाढ़ कृष्णा तृतीया	21 आषाढ़ कृष्णा दशमी	28 आषाढ़ शुक्ल तृतीया	

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. सोयाबीन की उन्नत किस्में : जे.एस. 20-94, जे.एस. 20-98, जे.एस. 20-116, जे.एस. 20-34, जे.एस. 20-29, जे.एस. 93-05, जे.एस. 95-60, जे.एस. 97-52, प्रताप सोया 2, प्रताप राज सोया 24, प्रताप सोया 45 व आर.के.एस. 113 की बुवाई करें।
2. मक्का की उन्नत किस्में : नवजोत, प्रताप मक्का 3, प्रताप मक्का 5, प्रताप संकर मक्का 1, पी.एच.ई.एम. 2 व प्रताप पी.क्यू.एम. संकर 1 की बुवाई करें।
3. असिंचित क्षेत्रों में मक्का के साथ अन्तर शस्य फसलें सोयाबीन या उड़द की 2: 2 के अनुपात में बुवाई करें।
4. धान की नर्सरी लगाने हेतु पलेवा करके 1.0 से 1.5 मीटर चौड़ी क्यारियॉ बनायें।
5. धान की सीधी बुवाई 20-30 जून तक करें एवं पूसा सुगंधा 4, पूसा सुगंधा 5, पूसा बासमती 1509, प्रताप सुगन्धा पी.बी. 1692, किस्मों का प्रयोग करें तथा 120 कि.ग्रा. नत्रजन प्रति हैक्टर की दर से तीन बार में देवें।
6. अमरूद के फलदार पौधों में खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करें।
7. फूल गोभी एवं पत्ता गोभी में अगेती किस्मों की नर्सरी तैयार करें।
8. वर्षाकालीन सब्जियों - भिण्डी, लोकी, टिण्डा, कद्दू, करेला, खीरा, ग्वारफली, चौला इत्यादि की उन्नत किस्मों की बुवाई करें।
9. फलदार बगीचों के गढ्ढों में खाद एवं उर्वरकों का मिश्रण भरकर रख देवें एवं वर्षा होने पर रोपण कार्य भी करें।
10. संतरे की मृग बहार की फलत लेने हेतु नत्रजन, फास्फोरस व पोटाश उर्वरकों का प्रयोग करें।
11. अमरूद एवं संतरा बगीचों में फल मक्खी के प्रकोप से बचाव के लिए फल मक्खी ट्रेप 20-25 प्रति हैक्टर लगावें।
12. चिंचड़ों व पेट के कीड़ों से पशुओं के बचाव का उचित प्रबन्ध करें तथा गलघोंटू, खुरपका-मुँहपका रोग एवं लंगड़ा बुखार बीमारी तथा फड़किया आदि के टीके लगवाऐं। पशुओं को अन्तः व बाहरी परजीवियों से बचाव लिए परजीवीनाशक दवाओं का प्रयोग करें।
13. भेड़ के शरीर को ऊन कतरने के 21 दिन बाद, बाह्य परजीवियों से बचाने के लिए कीटाणुनाशक घोल से भिगोएं।

महाविद्यालय में दीक्षारम्भ समारोह का आयोजन

महाविद्यालय में अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

महाविद्यालय में कुलपति-विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम

कृषि महाविद्यालय, हिण्डोली (बून्दी)

अधिष्ठाता : डॉ. एन.एल. मीणा

मोबाईल नं. 94145-39008 कार्यालय फोन : 07436-294130

ई-मेल : coahindoli@aukota.org

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@aukota.org

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

6. मोहर्रम / ताजिया (चाँद से)

जुलाई, 2025 कृषि पंचांग

रविवार Sunday	6. मोहर्रम (ताजिया)	6 आषाढ़ शुक्ल एकादशी	13 श्रावण कृष्ण तृतीया	20 श्रावण कृष्ण दशमी	27 श्रावण शुक्ल तृतीया
सोमवार Monday		7 आषाढ़ शुक्ल द्वादशी	14 श्रावण कृष्ण चतुर्थी	21 श्रावण कृष्ण एकादशी	28 श्रावण शुक्ल चतुर्थी
मंगलवार Tuesday	1 आषाढ़ शुक्ल षष्ठी	8 आषाढ़ शुक्ल त्रयोदशी	15 श्रावण कृष्ण पंचमी	22 श्रावण कृष्ण द्वादशी	29 श्रावण शुक्ल पंचमी
बुधवार Wednesday	2 आषाढ़ शुक्ल सप्तमी	9 आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी	16 श्रावण कृष्ण षष्ठी	23 श्रावण कृष्ण चतुर्दशी	30 श्रावण शुक्ल षष्ठी
गुरूवार Thursday	3 आषाढ़ शुक्ल अष्टमी	10 आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा	17 श्रावण कृष्ण सप्तमी	24 श्रावण कृष्ण अमा.	31 श्रावण शुक्ल सप्तमी
शुक्रवार Friday	4 आषाढ़ शुक्ल नवमी	11 श्रावण कृष्ण प्रतिपदा	18 श्रावण कृष्ण अष्टमी	25 श्रावण शुक्ल प्रतिपदा	
शनिवार Saturday	5 आषाढ़ शुक्ल दशमी	12 श्रावण कृष्ण द्वितीया	19 श्रावण कृष्ण नवमी	26 श्रावण शुक्ल द्वितीया	

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. सोयाबीन फसल में संकरी एवं चौड़ी पत्तियों वाले खरपतवारों के नियंत्रण हेतु अंकुरण से पूर्व पेन्डीमिथेलीन 30 ई.सी.+इमेजाथायपर 2 ई.सी. (मिश्रित उत्पाद) का 960 ग्राम सक्रिय तत्व/है (व्यवसायिक दर 3000 मिली./है.) या सल्फेन्ट्राजोन + क्लोमेजोन 58 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण (मिश्रित उत्पाद) का 725 ग्राम सक्रिय तत्व/है (व्यवसायिक दर 1250 मिली./है.) को 500 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करें।
2. सोयाबीन की खड़ी फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु सोडियम एसीफ्लोरफेन 16.5 प्रतिशत + क्लोड़िनाफॉप प्रोपारजिल 8 प्रतिशत (मिश्रित उत्पाद) 1000 मिलीलीटर प्रति हैक्टर या प्रोपेक्यूजाफॉप 25 प्रतिशत + इमेजाथापायर 3.75 प्रतिशत एम.ई. (मिश्रित उत्पाद) को 2 लीटर को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से बुवाई के 15-20 दिन बाद छिड़काव करें।
3. मक्का में खरपतवार नियंत्रण हेतु बुवाई के तुरन्त बाद एट्राजिन 50 डब्ल्यू. पी. 500 ग्राम सक्रिय तत्व को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
4. मक्का की खड़ी फसल में टॉपरामेजॉन 33.6 प्रतिशत एस.सी. का 25.2 ग्राम सक्रिय तत्व/है. या टेम्बोट्राइन 42 प्रतिशत एस.सी. का 120.75 ग्राम सक्रिय तत्व/है. की दर से बुवाई के 15.-20 दिन बाद छिड़काव करने पर संकरी व चौडी पत्तियों वाले खरपतवारों का नियंत्रण होता है।
5. उडद की उन्नत किस्में: प्रताप उडद 1, मुकन्दरा उडद 2, कोटा उड़द 3, कोटा उड़द 4, कोटा उड़द 5, कोटा उड़द 6, पन्त यू. 31 व के. यू. 96-3 की बुवाई करें।
6. तिल की उन्नत किस्म प्रताप, आर.टी. 46, आर.टी. 125, आर.टी. 103, आर. टी. 346 व आर.टी. 351 की बुवाई करें।
7. कम एवं अधिक वर्षा की स्थिति में सोयाबीन, उड़द एवं मूंग को चौड़ी मेड़ एवं कूँड पद्धति (बी.बी.एफ.) विधि से तीन पंक्तियों में बुवाई करें।
8. उडद की फसल में अंकुरण से पूर्व पेण्डीमिथेलीन 30 ई.सी. 1.0 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व प्रति हैक्टेयर (व्यवसायिक दर 3.3 लीटर) का छिडकाव करके खरपतवारों की प्रभावी रोकथाम की जा सकती है।
9. उड़द की खड़ी फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु इमेजाथायपर 10 प्रतिशत एस. एल. 55 ग्राम सक्रिय तत्व या सोडियम एसीफ्लोरफेन 16.5 प्रतिशत + क्लोडिनाफॉप प्रोपारजिल 8 प्रतिशत (मिश्रित उत्पाद) 187.5 ग्राम सक्रिय तत्व (व्यवसायिक मात्रा 750 मिलीलीटर प्रति हैक्टर) को 500 लीटर पानी में घोलकर बुवाई के 15-20 दिन बाद (खरपतवार 3-4 पत्ती अवस्था) भूमि में पर्याप्त नमी की स्थिति में प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
10. फूल गोभी एवं पत्ता गोभी की अगेती किस्मों की पौध का खेत में रोपण कर देवें।
11. खरीफ प्याज की उन्नत किस्में एग्रीफाउन्ड डार्क रेड, एन-53, भीमा राज व भीमा रेड का रोपण करें।
12. नींबू वर्गीय फलों में बारिश के दौरान कैंकर रोग तेजी से फैलता है। इसकी रोकथाम करने के लिये 2-ब्रोमो-2-नाइट्रो प्रोपेन-1, 3-डाईऑल 0.25 ग्राम + कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर प्रथम छिड़काव पत्तियों पर कैंकर रोग के लक्षण दिखाई देने पर एवं द्वितीय और तृतीय छिड़काव आवश्यकतानुसार 15 दिन के अन्तराल पर करें।
13. कीचड, बाढ़ आदि का प्रभाव पशुओं पर न्यूनतम हो, ऐसे उपाय करें। हरे चारे के लिए ज्वार चरी, बाजरा चरी, मक्का, चंवला आदि की बुवाई करें।
14. पशु ब्याँने के दो घण्टे के अन्दर नवजात बछड़े व बछड़ियों को खीस अवश्य पिलाएं। पशुशाला को मच्छर व मक्खी से बचाव के लिए कीटनाशक दवाओं का छिडकाव करें।

केन्द्र के प्रशिक्षित कृषि उद्यमी (सोया पनीर प्लांट) का माननीय कुलपति एवं कुलसचिव द्वारा अवलोकन

केन्द्र पर महानिदेशक भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली का भ्रमण

केन्द्र पर स्थित नर्सरी का निदेशक अटारी जोधपुर द्वारा अवलोकन

कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष : डॉ. महेन्द्र सिंह

मोबाईल नं. 94142-13488 कार्यालय फोन नं. : 0744-2326726

ई-मेल : kvkkota@aukota.org

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@aukota.org

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

9. विश्व आदिवासी दिवस, 9. रक्षा बंधन,
15. स्वतंत्रता दिवस,, 16. श्री कृष्ण जन्माष्टमी
27. माननीय कुलपति द्वारा घोषित अवकाश
(गणेश चतुर्थी)

अगस्त, 2025

कृषि पंचांग

रविवार Sunday	31 भाद्रपद शुक्ल अष्टमी	3 श्रावण शुक्ल नवमी	10 भाद्रपद कृष्णा प्रतिपदा	17 भाद्रपद कृष्णा नवमी	24 भाद्र शुक्ल प्रतिपदा
सोमवार Monday	9. विश्व आदिवासी दिवस	4 श्रावण शुक्ल दशमी	11 भाद्रपद कृष्णा द्वितीया	18 भाद्रपद कृष्णा दशमी	25 भाद्रपद शुक्ल द्वितीया
मंगलवार Tuesday	9. रक्षा बन्धन	5 श्रावण शुक्ल एकादशी	12 भाद्रपद कृष्णा तृतीया	19 भाद्रपद कृष्णा एका.	26 भाद्रपद शुक्ल तृतीया
बुधवार Wednesday	15 स्वतन्त्रता दिवस	6 श्रावण शुक्ल द्वादशी	13 भाद्रपद कृष्णा चतुर्थी	20 भाद्रपद कृष्णा द्वादशी	27 भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी
गुरूवार Thursday	16. श्री कृष्ण जन्माष्टमी	7 श्रावण शुक्ल त्रयोदशी	14 भाद्रपद कृष्णा षष्ठी	21 भाद्र. कृष्णा त्रयोदशी	28 भाद्रपद शुक्ल पंचमी
शुक्रवार Friday	1 श्रावण शुक्ल अष्टमी	8 श्रावण शुक्ल चतुर्दशी	15 भाद्रपद कृष्णा सप्तमी	22 भाद्र. कृष्णा चतुर्दशी	29 भाद्रपद शुक्ल षष्ठी
शनिवार Saturday	2 श्रावण शुक्ल अष्टमी	9 श्रावण शुक्ल पूर्णिमा	16 भाद्रपद कृष्णा अष्टमी	23 भाद्रपद कृष्णा अमावस्या	30 भाद्रपद शुक्ल सप्तमी

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. मूंगफली की फसल में पेग (सूइयां) बनने से पूर्व निराई-गुड़ाई करें एवं झुमका किस्मों में पौधों की जड़ों पर मिट्टी चढ़ावें।
2. धान की फसल में नत्रजन की शेष आधी मात्रा खेत से पानी निकालने के बाद दें। बासमती धान की सीधी बुवाई में एक तिहाई (40 किग्रा./हैक्ट.) कल्ले निकलने की अवस्था पर देवें।
3. मक्का में तना छेदक कीट के नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफॉस 1 लीटर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
4. उड़द एवं मूंग फसल में जलीय घुलनशील उर्वरक नत्रजन: फॉस्फोरस: पोटाश (18:18:18) की 0.5 प्रतिशत की दर से फूल आने पर पर्णीय छिड़काव करें।
5. सोयाबीन में गर्डल बीटल नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफॉस 1 लीटर प्रति हैक्टेयर या थायाक्लोप्रिड 21.7 एस.सी. 750 मिलीलीटर दवा को 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
6. सोयाबीन फसल में पत्ती भक्षक लटों के प्रभावी प्रबन्धन हेतु बीटी 127 एस.सी. 3.0 मि. ली. प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
7. फली छेदक लट् (हेलीकोवर्पा) एवं तम्बाकू लट् के प्रबन्धन के लिए एन.पी.वी. एवं फेरामेन ट्रेप उपयोग में लेवे तथा व्याधियों के नियंत्रण के लिए जैव फफूँदनाशी ट्राइकोडर्मा का प्रयोग करें।
8. खरीफ की खड़ी फसलों में जस्ते की कमी होने पर जिंक सल्फेट 5 कि.ग्रा.+ बुझा हुआ चूना 2.5 कि.ग्रा. को 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्ट. की दर से छिड़काव करें।
9. सतंरे में काली मस्सी (ब्लैक फ्लाई) के नियंत्रण हेतु अगस्त माह में 15 दिन के अन्तराल पर पर्णीय छिड़काव क्रमश: इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. का 0.5 मि.ली. प्रति लीटर या फेनप्रोपेथिन 30 ई.सी. का 1 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें या जैविक कीट नियंत्रण हेतु बायोएजेन्ट वर्टिसिलियम लेकेनी का 5.0 मि.ली. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर पर्णीय छिडकाव अगस्त-सितम्बर माह में 10-12 दिन के अन्तराल से करें।
10. अरहर फसल में फली छेदक एवं मरूका कीट के प्रारम्भिक प्रकोप पर क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 ए. सी. का 100 एम.एल. प्रति हैक्टर् एन.ए.ए. का 40 पी.पी. एम. घोल का छिड़काव फूल शुरू होने पर तथा इसके 15 दिन उपरान्त इण्डोक्साकार्ब 15.8 ई.सी. का 375 मिली प्रति हैक्टेयर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
11. भिण्डी फसल में मोजेक रोग के लक्षण दिखाई देते ही डायफेन्थ्यूरॉन 50 डब्ल्यू.पी. 1.0 ग्राम प्रति लीटर पानी या एसीटामिप्रिड 20 एस.पी. 0.2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से 15 दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें।
12. पपीता में रस चूसक कीटों (सफेद मक्खी) के नियंत्रण हेतु बायोएजेन्ट वर्टिसिलियम लेकेनी का 5.0 मि.ली. प्रति लीटर के 3 पर्णीय छिडकाव 10 दिन के अन्तराल पर करें। पीले रंग के चिपचिपे ट्रेप लगावें।
13. नये बगीचे लगाने हेतु फलदार पौधों का रोपण करें।
14. संतरे में फलों को गिरने से रोकने हेतु 2, 4-डी (उद्यानिकी ग्रेड) 10 मिली ग्राम प्रति लीटर घोल के हिसाब से छिड़काव करें।
15. नींबू वर्गीय फलों में पत्तियां खाने वाली इल्ली (निंबू तितली) नियंत्रण के लिये डायमिथोएट 1.5 मि.ली. या क्यूनालफॉस 25 ई.सी. 1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें।
16. पशुओं में मुँहपका-खुरपका, गलघोंटू, लंगडा बुखार, फड़किया रोग आदि के टीके नहीं लगवाएं हो, तो अभी लगवा लें।
17. भेड़ बकरियों में पी.पी.आर., भेड़ चेचक व फड़किया रोग होने की सम्भावना रहती है, अत: इन रोगों से बचाव के टीके लगवा लें।

केन्द्र पर बकरी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम

केन्द्र की 31वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठक

केन्द्र पर स्थित बकरी के बच्चों के खेलने का रैम्प

कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष : डॉ. हरीश वर्मा

मोबाईल नं. 94142-87415 कार्यालय फोन नं. : 0747 - 2457162

ई-मेल : kvkbundi@aukota.org

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

02. रामदेव जयन्ती, तेजा दशमी एवं खेजड़ली शहीद दिवस
05. बारावफात (चाँद से)
22. नवरात्रा स्थापना एवं महाराजा अग्रसेन जयन्ती
30. दुर्गाष्टमी

सितम्बर, 2025 कृषि पंचांग

रविवार Sunday	30. दुर्गाष्टमी	7 भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा	14 अश्विन कृष्णा अष्टमी	21 अश्विन कृष्णा अमावस्या	28 अश्विन शुक्ल षष्ठी
सोमवार Monday	1 भाद्रपद शुक्ल नवमी	8 अश्विन कृष्णा प्रतिपदा	15 अश्विन कृष्णा नवमी	22 अश्विन शुक्ल प्रतिपदा	29 अश्विन शुक्ल सप्तमी
मंगलवार Tuesday	2 भाद्रपद शुक्ल दशमी	9 अश्विन कृष्णा द्वितीया	16 अश्विन कृष्णा दशमी	23 अश्विन शुक्ल द्वितीया	30 अश्विन शुक्ल अष्टमी
बुधवार Wednesday	3 भाद्रपद शुक्ल एकादशी	10 अश्विन कृष्णा तृतीया	17 अश्विन कृष्णा एका.	24 अश्विन शुक्ल तृतीया	2. रामदेव जयंती
गुरूवार Thursday	4 भाद्रपद शुक्ल द्वादशी	11 अश्विन कृष्णा चतुर्थी	18 अश्विन कृष्णा द्वादशी	25 अश्विन शुक्ल तृतीया	2. तेजा दशमी जयंती
शुक्रवार Friday	5 भाद्रपद शुक्ल त्रयोदशी	12 अश्विन कृष्णा पंचमी	19 अश्विन कृष्णा त्रयोदशी	26 अश्विन शुक्ल चतुर्थी	5. बारावफात (चाँदसे)
शनिवार Saturday	6 भाद्रपक्ष शुक्ल चतुर्दशी	13 अश्विन कृष्णा षष्ठी	20 अश्विन कृष्णा चतुर्दशी	27 अश्विन शुक्ल पंचमी	22. नवरात्रा स्थापना

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. खरीफ की खड़ी फसलों में लगातार वर्षा होने पर पीलापन की समस्या आती है अतः फेरस सल्फेट (हरा कसीस) का 0.5 प्रतिशत घोल का छिडकाव करें।
2. सोयाबीन में अर्धकुण्डल इल्ली व गर्डल बीटल के नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी.@2 मि.ली. प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।
3. धान में तना छेदक व पत्ती लपेटक कीट नियंत्रण हेतु प्रोफेनोफॉस 1 लीटर तथा केवल पत्ती लपेटक हेतु एसीफेट 75 एस. पी. 500 ग्राम प्रति हैक्ट. का छिडकाव करें। आवश्यकता होने पर 15-20 दिन बाद पुनः दोहरावें।
4. सोयाबीन में अर्द्ध कुण्डलक लटों के प्रारम्भिक प्रकोप पर स्पाईनेटोरम 12 एस.सी. 450 मी.ली. प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
5. सोयाबीन में पत्तीधब्बा एवं फली झूलसा रोग के प्रबन्धन के लिए पिकोस्सीस्ट्रोबीन 7.05 + प्रोपिकोनाजोल 11.71% एस. सी. 1 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
6. प्रतिकूल मौसम में ज्वार, मक्का व बाजरा फसलों में सिट्टे आते समय तथा सोयाबीन, मूंगफली व उड़द में फूल एवं फली बनते समय सिंचाई अवश्य करें।
7. असिंचित क्षेत्र में रबी की फसलों की बुवाई सुनिश्चित करने हेतु वर्षा बन्द होने पर बक्खर चला कर नमी का संरक्षण करें।
8. अरहर की खड़ी फसल में थायोयूरिया 500 पी.पी.एम. के 2 पर्णीय छिड़काव फूल आने व फली बनने की अवस्था पर करें।
9. टमाटर, मिर्च एवं बैंगन की शीतकालीन फसल की नर्सरी लगावें।
10. हजारा (गैंदा) एवं गुलदाउदी की नर्सरी तैयार करें।
11. अमरूद के फलदार बगीचे में नत्रजन उर्वरक का प्रयोग करें।
12. गाय के मद (हीट) में आने के 12 से 18 घण्टे के अन्दर ग्याभिन करवाने का उचित समय है।
13. हरे चारे से साईलेज बनाएं एवं हरे चारे के साथ सूखे चारे को मिलाकर खिलाएं।
14. बरसीम व रिजका की बिजाई इस माह के अन्तिम सप्ताह में शुरू कर सकते हैं।

केन्द्र द्वारा सोयाबीन फसल पर समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

केन्द्र पर माननीय कुलपति एवं निदेशक भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर द्वारा फसल का अवलोकन

केन्द्र की 31वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठक

कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बाराँ)

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष : डॉ. डी.के. सिंह
मोबाईल नं. 94146-62038 कार्यालय फोन नं. : 07457-244862
ई-मेल : kvkanta@aukota.org

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

1. माननीय कुलपति द्वारा घोषित अवकाश (महानवमी)
2. विजय दशमी (दशहरा), महात्मा गांधी जयन्ती
20. दीपावली, 22. गोवर्धन पूजा, 23. भाई दूज

अक्टूबर, 2025 कृषि पंचांग

रविवार Sunday	2. विजय दशमी (दशहरा)	5 अश्विन शुक्ल त्रयोदशी	12 कार्तिक कृष्ण षष्ठी	19 कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी	26 कार्तिक शुक्ल पंचमी
सोमवार Monday	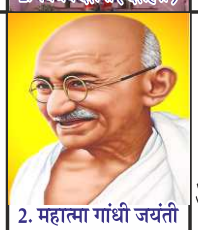 2. महात्मा गांधी जयंती	6 अश्विन शुक्ल चतुर्दशी	13 कार्तिक कृष्ण सप्तमी	20 कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी	27 कार्तिक शुक्ल षष्ठी
मंगलवार Tuesday	20. दीपावली	7 अश्विन शुक्ल पूर्णिमा	14 कार्तिक कृष्ण अष्टमी	21 कार्तिक कृष्ण अमावस्या	28 कार्तिक शुक्ल षष्ठी
बुधवार Wednesday	1 अश्विन शुक्ल नवमी	8 कार्तिक कृष्ण द्वितीया	15 कार्तिक कृष्ण नवमी	22 कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा	29 कार्तिक शुक्ल सप्तमी
गुरूवार Thursday	2 अश्विन शुक्ल दशमी	9 कार्तिक कृष्ण तृतीया	16 कार्तिक कृष्ण दशमी	23 कार्तिक शुक्ल द्वितीया	30 कार्तिक शुक्ल अष्टमी
शुक्रवार Friday	3 अश्विन शुक्ल एकादशी	10 कार्तिक कृष्ण चतुर्थी	17 कार्तिक कृष्ण एका.	24 कार्तिक शुक्ल तृतीया	31 कार्तिक शुक्ल नवमी
शनिवार Saturday	4 अश्विन शुक्ल द्वादशी	11 अश्विन कृष्णा पंचमी	18 कार्तिक कृष्ण द्वादशी	25 कार्तिक शुक्ल चतुर्थी	22. गोवर्धन पूजा

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. चने की उन्नत किस्में: (देशी) कोटा देशी चना-1, कोटा देशी चना-2, कोटा देशी चना-3, कोटा देशी चना-4, कोटा देशी चना-5, कोटा देशी चना-6, जी.एन.जी. 1958, जी.एन.जी. 2144, जी.एन.जी. 2171, सी.एस.जे. 515, प्रताप चना 1, जी.एन. जी. 469 तथा (काबूली) कोटा काबूली चना-1, कोटा काबूली चना-2, कोटा काबूली चना-3 एवं काक 2 की बुवाई करें।
2. चने की फसली में जड़ गलन व उखटा रोग के नियंत्रण हेतु कार्बेण्डाजिम 50 डब्ल्यू.पी. 0.75 ग्राम + थाइरम 1.0 ग्राम तथा कॉलर रोट हेतु (कार्बोक्सिन 37.5 + थायरम 37. 5) का 1.0 ग्राम या ट्राइकोडर्मा विरीडी 4 ग्राम प्रति कि. ग्रा. बीज की दर से उपचारित कर बुवाई करें।
3. चने की फसल में 20 किग्रा. नत्रजन, 40 किग्रा. फॉस्फोरस, 45 किग्रा. पोटाश तथा 5 किग्रा. लौह (20 किग्रा. फेरस सल्फेट) एवं 250 किग्रा. जिप्सम प्रति हैक्टेयर की दर से देवें। जिंक की कमी वाले क्षेत्रों हेतु 25 किग्रा. जिंक सल्फेट प्रति हैक्टेयर की दर से देवें।
4. चना फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु अंकुरण से पूर्व पेन्डीमिथेलीन 30 ई.सी. 1.0 किलो सक्रिय तत्व/हैक्टर (व्यवसायिक दर 3.3 लीटर/है) या पेन्डीमिथेलीन 38.7 सी. एस. 1.0 किलो सक्रिय तत्व/हैक्टेयर (व्यवसायिक दर 2.6 लीटर/है) को 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
5. सरसों की उन्नत किस्में: एन.आर.सी.एच.बी. 101, डी.आर.एम.आर.आई.जे. 31(गिरिराज), एन.आर.सी.डी.आर. 2, एवं आर.एच. 725 की बुवाई करें।
6. सरसों में चितकबरा (पेन्टेड बग) के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 48 एफ.एस. 6 मि. ली. या थायोमिथॉक्जाम 30 एफ.एस. 5 मि.ली. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से बीजोपचार कर बुवाई करें।
7. सिंचित सरसों हेतु 80 किग्रा नत्रजन, 40 किग्रा फॉस्फोरस व 40 किग्रा सल्फर (375 किग्रा जिप्सम) प्रति हैक्टर का उपयोग अवश्य करें।
8. सरसों में आरा मक्खी व पेन्टेड बग के नियंत्रण हेतु क्यूनोलफॉस 1.5 प्रतिशत चूर्ण 25 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर की दर से भुरकाव बुवाई के 7-10 दिन की अवस्था पर करें।
9. मसूर की उन्नत किस्में: आई.पी.एल. 316, कोटा मसूर 1, कोटा मसूर 2, कोटा मसूर 3, कोटा मसूर 4 व कोटा मसूर 6 की बुवाई करें तथा सिफारिशानुसार उर्वरक (20:40:20:20:5 नत्रजन:फॉस्फोरस:पोटाश: गंधक:जिंक) प्रति हैक्ट. एवं 1 ग्राम अमोनियम मोलीब्डेट + राइजोबियम + पी.एस.बी. + पी.जी.पी.आर. कल्चर 6 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज को उपचारित कर बुवाई करें।
10. मटर (बटला) की उन्नत किस्में: कोटा मटर 1, डी.डी.आर. 23, आई.पी.एफ.डी. 99-13, आई.पी.एफ.डी. 1-10, डी. एम. आर. 7 की बुवाई करें तथा सिफारिशानुसार उर्वक (20:40:20:20:5 नत्रजन:फॉस्फोरस:पोटाश:गंधक:जिंक) प्रति हैक्ट. एवं 1 ग्राम अमोनियम मोलीब्डेट + राइजोबियम + पी.एस.बी. + पी.जी.पी.आर. कल्चर 6 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज को उपचारित कर बुवाई करें।
11. नींबू वर्गीय फल पौधों में चूसक कीटों के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 1 मिलीलीटर प्रति 3 लीटर पानी की दर से घोल का छिड़काव करें।
12. लहसुन की जी-282, यमुना सफेद-2, जी. 50, जी-323 किस्मों को 6 ग्राम ट्राईकोडर्मा प्रति किलो बीज से उपचारित कर बुवाई करें।
13. लहसुन में खरपतवार नियंत्रण हेतु रोपाई से पूर्व पेण्डिमिथेलिन 30 ई.सी. का 1 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व प्रति है. एवं रोपाई के 30 दिन पश्चात् ऑक्सीफ्लोरफेन 23.5 ई.सी. का 0. 240 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व प्रति है. का छिड़काव करें।
14. मटर की उन्नत किस्मों आजाद पी-1, 2, 3, जीएस-10 की बुवाई करें।
15. रबी प्याज किस्म एग्री फाउन्ड लाईटरेड व भीमा शुभ्रा की नर्सरी तैयार करें।
16. गुलाब के पौधों में कटाई-छँटाई करें व नये पौधे लगाने हेतु कलम लगायें।
17. ग्लेडियोल्स फूल के बल्बों की बुवाई करें।
18. संतरे के पौधों से कीट ग्रस्त गिरे हुए संतरों को इक्टठा कर गढ्ढे में दबा देवें।
19. इस माह में सर्दी का मौसम शुरू हो जाता है। अत: पशुओं का सर्दी से बचाव का उचित प्रबन्ध करें।
20. परजीवी तथा कृमि नाशक दवा/घोल देने का उपयुक्त समय है। परजीवीनाशक दवा को बारी-बारी से बदल कर उपयोग में लें।

केन्द्र द्वारा सोयाबीन फसल पर मेड़ एवं कूँड पद्धति (बी.बी.एफ.) पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

केन्द्र पर स्कूली छात्रों का भ्रमण

केन्द्र पर स्थित संरक्षित खेती प्रदर्शन इकाई

कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष : डॉ. टी.सी. वर्मा

मोबाईल नं. 94143-85905 कार्यालय फोन : 07432-294405

ई-मेल : kvkjhalawar@aukota.org

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@aukota.org

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

सार्वजनिक अवकाश

5. गुरूनानक जयंती

नवम्बर, 2025 कृषि पंचांग

रविवार Sunday	30 मार्गशीर्ष शुक्ल दशमी	2 कार्तिक शुक्ल एका.	9 मार्गशीर्ष कृष्ण पंचमी	16 मार्गशीर्ष कृष्ण द्वादशी	23 मार्गशीर्ष शुक्ल तृतीया
सोमवार Monday	5. गुरूनानक जयंती	3 कार्तिक शुक्ल त्रयो.	10 मार्गशीष कृष्ण षष्ठी	17 मार्गशीष कृष्ण त्रयोदशी	24 मार्गशीष शुक्ल चतुर्थी
मंगलवार Tuesday		4 कार्तिक शुक्ल चतुर्दशी	11 मार्गशीर्ष कृष्ण सप्तमी	18 मार्गशीष कृष्ण त्रयोदशी	25 मार्गशीष शुक्ल पंचमी
बुधवार Wednesday		5 कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा	12 मार्गशीर्ष कृष्ण अष्टमी	19 मार्गशीर्ष कृष्ण चतुर्दशी	26 मार्गशीर्ष शुक्ल षष्ठी
गुरूवार Thursday		6 मार्गशीर्ष कृष्ण प्रति.	13 मार्गशीर्ष कृष्ण नवमी	20 मार्गशीर्ष कृष्ण अमावस्या	27 मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी
शुक्रवार Friday		7 मार्गशीर्ष कृष्ण द्वितीया	14 मार्गशीर्ष कृष्ण दशमी	21 मार्गशीर्ष शुक्ल प्रति.	28 मार्गशीर्ष शुक्ल अष्टमी
शनिवार Saturday	1 कार्तिक शुक्ल दशमी	8 मार्गशीर्ष कृष्ण तृतीया	15 मार्गशीर्ष कृष्ण एकादशी	22 मार्गशीर्ष शुक्ल द्वितीया	29 मार्गशीर्ष शुक्ल नवमी

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. गेहूँ की सामान्य सिंचित बुवाई हेतु उन्नत किस्में: राज. 4037, राज. 4079, राज. 4120, राज. 3077, जी.डब्ल्यू. 190 तथा एच.आई. 8498 (काठिया), एच.आई. 8713 की बुवाई 15 नवम्बर से प्रारम्भ करें (बुवाई के समय अधिकतम व न्यूनतम तापमान का औसत 20 डिग्री सेल्सियस रहे)।
2. जौ की उन्नत किस्में: आर.डी. 2052, आर.डी. 2035, आर.डी. 2503, आर.डी. 2508, आर.डी. 2552, आर.डी. 2668 व आर.डी. 2715 की बुवाई नवम्बर के प्रथम पखवाड़े से प्रारम्भ करें।
3. धनियां की उन्नत किस्में: सी.एस. 6, आर.सी.आर. 436, आर. के.डी. 18, आर.सी.आर. 480, आर.सी.आर. 684, प्रताप राज धनिया 1 व आर.डी. 385 की बुवाई करें।
4. धनिया में लौंगिया रोग से बचाव हेतु हेक्साकोनाजॉल 5 ई.सी. या प्रोपीकोनाजॉल 25 ई.सी. 2 मिली प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से बीजोपचार कर 30 अक्टूबर से 15 नवम्बर बुवाई करें।
5. सिंचित धनिया फसल हेतु 50 किग्रा नत्रजन, 30 किग्रा फॉस्फोरस तथा 20 किग्रा पोटाश प्रति हैक्ट. देवें।
6. सिचिंत क्षेत्रों हेतु अलसी की किस्म प्रताप अलसी 1, प्रताप अलसी 2, कोटा अलसी 6, आर.एल. 914, मीरा एवं असिचित क्षेत्रों हेतु कोटा बारानी अलसी 3, कोटा बारानी अलसी 4, कोटा बारानी अलसी 5, कोटा बारानी अलसी 6 एवं कोटा बारानी अलसी 7 की 1-15 नवम्बर तक बुवाई करें।
7. सिंचित अलसी हेतु 50 किग्रा नत्रजन, 30 किग्रा फॉस्फोरस, 30 किग्रा पोटाश तथा 60 कि. ग्रा. गन्धक (375 किलो जिप्सम) प्रति हैक्टर देवें। जिंक की कमी वाली मृदाओं में 25 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट प्रति हैक्टर देवें।
8. मक्खनघास को हरे चारे हेतु 14 किग्रा. प्रति हैक्टर बीज दर से बुवाई करें।
9. रबी प्याज की पौध का खेत में रोपण कर देवें।
10. पशुओं को बिछावन सूखा होना चाहिए तथा प्रतिदिन बदल लें।
11. बरसीम व रिजका की बिजाई माह के मध्य तक अवश्य पूरी कर लें।
12. तीन वर्ष में एक बार पी.पी.आर. का टीका भेड़ और बकरियों को अवश्य लगवाएं।

केन्द्र द्वारा मधुमक्खी पालन पर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

केन्द्र पर पौधशाला इकाई का माननीय कुलपति द्वारा अवलोकन

केन्द्र पर स्थित शहद प्रसंस्करण इकाई

कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन (करौली)

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष : डॉ. बच्चू सिंह

मोबाइल : 94149-74292, कार्यालय फोन नं. : 07469-209969

ई-मेल : kvkkaroli@aukota.org

प्रसार शिक्षा निदेशालय, कोटा फोन : 0744-2326727, ई-मेल : deeaukota@aukota.org

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

Agriculture University, Kota

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा-324001 (राज.)

दिसम्बर, 2025 कृषि पंचांग

सार्वजनिक अवकाश

25. क्रिसमस-डे
27. गुरू गोबिन्द सिंह जयन्ती

रविवार Sunday		7 पौष कृष्णा तृतीया	14 पौष कृष्णा दशमी	21 पौष शुक्ल प्रतिपदा	28 पौष शुक्ल अष्टमी
सोमवार Monday	1 मार्गशीर्ष शुक्ल एका.	8 पौष कृष्णा चतुर्थी	15 पौष कृष्णा एकादशी	22 पौष शुक्ल द्वितीया	29 पौष शुक्ल नवमी
मंगलवार Tuesday	2 मार्गशीर्ष शुक्ल द्वादशी	9 पौष कृष्णा पंचमी	16 पौष कृष्णा द्वादशी	23 पौष शुक्ल तृतीया	30 पौष शुक्ल दशमी एका.
बुधवार Wednesday	3 मार्गशीर्ष शुक्ल त्रयोदशी	10 पौष कृष्णा षष्ठी	17 पौष कृष्णा त्रयोदशी	24 पौष शुक्ल चतुर्थी	31 पौष शुक्ल द्वादशी
गुरूवार Thursday	4 मार्गशीर्ष शुक्ल चतुर्दशी	11 पौष कृष्णा सप्तमी	18 पौष कृष्णा चतुर्दशी	25 पौष शुक्ल पंचमी	25. क्रिसमस-डे
शुक्रवार Friday	5 पौष कृष्णा प्रतिपदा	12 पौष कृष्णा अष्टमी	19 पौष कृष्णा अमावस्या	26 पौष शुक्ल षष्ठी	27. गुरू गोबिन्द सिंह जयंति
शनिवार Saturday	6 पौष कृष्णा द्वितीया	13 पौष कृष्णा नवमी	20 पौष कृष्णा प्रतिपदा	27 पौष शुक्ल सप्तमी	

इस माह के प्रमुख कृषि कार्य

1. गेहूँ की पिछेती किस्में जैसे राज 4238, एच.डी. 2236, जी.डब्ल्यू. 173, जी. डब्ल्यू. 273, राज 3765, राज 3077, राज 3777, एच.डी. 2932, एम.पी. 1243 तथा एच.आई. 8498 (काठिया) व एच.आई. 8713 की बुवाई दिसम्बर के प्रथम पखवाड़े तक करें।
2. गेहूँ में देरी से बुवाई करने पर बीज की मात्रा 125 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर का प्रयोग करें।
3. नत्रजन 120 कि.ग्रा. तथा 40 किग्रा. फास्फॉरस एवं 30 किग्रा. पोटाश प्रति हैक्ट. मिट्टी जांच के आधार पर देवें। धान के बाद गेंहू की देरी से बुवाई के लिये 150 कि.ग्रा. नत्रजन प्रति हैक्ट. देवें।
4. गेहूँ में प्रथम सिंचाई शीर्ष जड़ जमने के समय (बुवाई के 21-25 दिन बाद) अवश्य करें।
5. गेहूँ में चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार नियंत्रण हेतु बुवाई के 30-35 दिन बाद 2, 4-डी एस्टर 500 ग्राम या 2, -4 डी अमाईन साल्ट 750 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हैक्टर की दर से 500-700 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
6. गेंहूँ में चौडी एवं संकरी पत्ती वाले खरपतवार नियंत्रण हेतु बुवाई के 30-35 दिन बाद क्लोडीनोफॉप प्रोपार्जिल 15 प्रति. + मेटासलफ्यूरान मिथाइल 1 प्रतिशत (मिश्रित दवा) 52 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हैक्ट. की दर से 500-700 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
7. गेंहूँ की खड़ी फसल में चौड़ी एवं संकरी पत्ती वाले खरपतवार नियंत्रण हेतु सल्फोसल्फूरॉन 75% डब्ल्यू.पी.+ डब्ल्यू पी (मिश्रित उत्पाद) का 32 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हैक्टैयर फसल की 30-35 दिन की अवस्था पर छिड़काव करें।
8. सरसों में मोयला कीट नियंत्रण हेतु डाइमिथोएट 30 ई.सी. 875 मिली प्रति हैक्टर का छिड़काव करें। मधुमक्खी बॉक्स को खेत में रखने पर सरसों की पैदावार में वृद्धि होती है।
9. धनियें में लौंगिया रोग के प्रबन्धन हेतु खड़ी फसल में हेक्साकोनोजोल 5 ई.सी. या प्रोपीकोनाजोल 25 ई.सी. का 2 मिली प्रति लीटर की दर से 45, 60, 75 दिन पर छिडकाव करें।
10. मसूर में वर्षा आधारित/सिमित सिंचाई परिस्थितियों में घुलनशील उर्वरक एनपीके (19:19:19) का 0.5 प्रतिशत के दो पर्णीय छिड़काव क्रमशः फूल आने एवं फली बनने पर करें।
11. लो-टनल में कद्दूवर्गीय सब्जियों की बुवाई करें।
12. संतरे में अम्बे बहार के फल की तुड़ाई पश्चात् पेड़ों पर से सूखी व रोगग्रस्त टहनियाँ काटकर नष्ट कर दें तथा पेड़ों पर कार्बेन्डाजिम 50 प्रतिशत डब्ल्यू. पी. एक ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
13. संतरे में माईट्स के नियंत्रण के लिए डायकोफॉल 2 मि.ली. अथवा इथियान 2 मि.ली. अथवा गंधक द्रव 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। 15 दिन के अंतराल पर दूसरा छिड़काव करें।
14. पशुओं का सर्दी से बचाव का उचित प्रबन्ध करें। रात में पशुओं को अंदर गर्मी वाले स्थान, जैसे की छत के नीचे या घास-फूस की छप्पर तले बांधें।
15. बिजाई के 50-55 दिन के बाद बरसीम एवं 55-60 दिन बाद जई की चारे के लिए कटाई करें। इसके पश्चात बरसीम की कटाई 25-30 दिन के अन्तराल पर करते रहें।
16. पशुओं को पीने के लिए ठण्डा पानी नहीं पिलाकर हमेशा ताजा पानी पिलावें। भेड़, बकरियों में चेचक (माता) का टीकाकरण करवाऐं।

केन्द्र द्वारा मसूर फसल पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

केन्द्र पर स्कूली छात्रों का भ्रमण

केन्द्र पर स्थित कृषि संग्राहलय

कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाईमाधोपुर

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष : डॉ. बी.एल. ढ़ाका

मोबाईल नं. 94140-62768 कार्यालय फोन नं. : 07462-213207

ई-मेल : kvksmp@aukota.org